

स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥

पुलं मे स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥

द्विंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥

निम्नविष्णुः सप्तविंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥

अष्टविंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥

कर्मिद्विंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥

पंः कर्मिद्विंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥ स्त्रिंशत्तमोऽयं पद्यो ॥॥



कश्मल्ल वलि वःह्लाद् वःक चर्मः कश्मल्ल वलि वःह्लाद् वःक चर्मः कश्मल्ल  
 रूपावः कम ही ~~क~~ रूपावः चकाहि प्रवः अनेमिव  
 यमना उप देशविष पै व दूना नी दुचुव ॥ २ ॥ तदहं  
 क्षः प्र व ऊपा मिः नमनी हि न कामिषा ॥ यलप्र दूनाः प्रव ॥ १ ॥  
 दुंति मा ग्रे वहि न कानीनि ॥ ३ ॥ मणुष्य च हि न यय यनी  
 लोम विनिः वान क मृषि नं आ दूरा उय क लः १ व दूर्ग मणुष्य  
 नं कश्मल्ल वलि वः विन्ना लायद् वः अल गिलिः मीलं ग

कश्मल्ल लो लाल चम कः अ के ते कश्मल्ल लं प्र लाल  
 चमि व ॥ १ ॥ यल लु ग्रं प्र व ऊपा मिः याल के ल ग  
 हा विनं ॥ यल वि दूना लम ग्रे ~~क~~ ल ल व रू व  
 हि उाय न ॥ ४ ॥ याल क मृषि लीः क व का य य र वली  
 अ दूरा उय क ग र व ल द क च ल र म ली दः तं पु त्र क यो  
 दः कश्मल्ल वलि वः ह्लाद् वः कश्मल्ल वलि वः ह्लाद् वः कश्मल्ल  
 रूपावः कम ही ~~क~~ रूपावः चकाहि प्रवः अनेमिव



मु र्वे हि विषय उ शी न दुर्मास्त्र ह न न न य ॥ द्विष तै र्  
 प्र ये ह्नु नाः प्रै न रित्व पे व हि इ नि ॥ ५ ॥ पूर्व हि  
 विष वा या त उ प डे शा वि य ग्रः दुर्मा मि इ म यान्  
 नि इ म वि य ग्रः शा तु लि लो प्रि नि य य ग्रः क न नं य  
 द्मा म प्र ये ह्नु ना को ते श्री न र्क ह्नु ना नि पे रि त क  
 तु शा वि रे क ते म प्र ये य ह्नु ना क ते तु र्मा शी नि व